अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार

रजि.न.34300/80 | संख्या 204 | श्री विजय पुरम, शुक्रवार, 31 जुलाई 2026 | web: dt.andamannicobar.gov.in | 2.00 रूपए

'दिल्ली टू द्वीप 2.0': नेताजी स्टेडियम में भारतीय सेना द्वारा अग्निवीर भर्ती रैली 23 अगस्त से

चेन्नई, 29 जुलाई

हर इच्छुक युवा को, उसकी भौगोलिक स्थिति की परवाह किए बिना, समान अवसर प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करते हुए, भारतीय सेना ने 'दिल्ली टू द्वीप 2.0' नामक एक विशेष आउटरीच अभियान शुरू किया है। इस अभियान का उद्देश्य अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के दूरदराज़ क्षेत्रों में भर्ती जागरूकता बढ़ाना तथा युवाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करना है।

इस पहल के अंतर्गत, चयनित अभ्यर्थियों के लिए अग्निवीर भर्ती रैली का आयोजन 23 से 26 अगस्त, 2026 तक नेताजी स्टेडियम, श्री विजय पुरम में किया जाएगा। यह रैली भर्ती कार्यालय (मुख्यालय), चेन्नई द्वारा दक्षिण भर्ती क्षेत्र के अधीन आयोजित की जाएगी।

यह रैली उन अभ्यर्थियों के लिए होगी जिन्होंने भर्ती वर्ष 2026–27 के लिए ऑनलाइन कॉमन एंट्रेंस एग्जामिनेशन (सीईई) उत्तीर्ण किया है। अभ्यर्थियों को शारीरिक दक्षता परीक्षण, शारीरिक माप परीक्षण, दस्तावेज़ सत्यापन तथा चिकित्सा परीक्षण से गुजरना होगा, जो निर्धारित भर्ती नीति के अनुसार निष्पक्ष, पारदर्शी एवं मेरिट आधारित तरीके से आयोजित किए जाएंगे।

'दिल्ली टू द्वीप 2.0' अभियान भारतीय सेना के द्वीपों तक पहुंच बढ़ाने का विस्तार है, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी योग्य अभ्यर्थी भौगोलिक दूरी के कारण राष्ट्र की सेवा के अवसर से वंचित न रहे। अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन, अण्डमान निकोबार कमान मुख्यालय, स्थानीय सैन्य प्राधिकरणों, एनसीसी, शैक्षणिक संस्थानों और नागरिक एजेंसियों के साथ समन्वय के माध्यम से व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं, ताकि युवाओं को भारतीय सेना में कॅरियर के अवसरों के बारे में जागरूक किया जा सके और उनकी भागीदारी को सुगम बनाया जा सके।

अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे अपने एडमिट कार्ड आधिकारिक वेबसाइट **www.joinindianarmy.nic.in** से डाउनलोड करें और उसमें दिए गए दिनांक एवं समय के अनुसार रैली स्थल पर उपस्थित हों। उन्हें सभी मूल शैक्षणिक प्रमाणपत्र, निवास प्रमाणपत्र, जाति प्रमाणपत्र (जहां लागू हो), आधार कार्ड, हाल ही के पासपोर्ट आकार के फोटो तथा अन्य आवश्यक दस्तावेज़ साथ लाने होंगे। साथ ही, अभ्यर्थियों को उच्च स्तर की शारीरिक फिटनेस बनाए रखने और रिपोर्ट करने से पहले सभी दस्तावेज़ों को पूर्ण रूप से तैयार रखने की सलाह दी गई है।

भारतीय सेना ने पुनः स्पष्ट किया है कि भर्ती पूरी तरह मेरिट के आधार पर बिना किसी भेदभाव या बाहरी प्रभाव के की जाती है। अभ्यर्थियों को दलालों या धोखाधड़ी करने वाले व्यक्तियों से सावधान रहने की सलाह दी गई है, जो पैसे लेकर भर्ती दिलाने का दावा करते हैं। चयन प्रक्रिया को कोई भी व्यक्ति या एजेंसी प्रभावित नहीं कर सकती।

भारतीय सेना ने अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के सभी अभ्यर्थियों को शुभकामनाएँ दी हैं। 'दिल्ली टू द्वीप 2.0' अभियान सेना के इस संकल्प को दर्शाता है कि देश की राजधानी से लेकर दूरस्थ द्वीपों तक हर योग्य युवा को सेना में शामिल होकर सेवा करने का समान अवसर मिले। सेना ने सभी अभ्यर्थियों को आत्मविश्वास, अनुशासन और दृढ़ संकल्प के साथ भाग लेने के लिए प्रेरित किया है, यह याद दिलाते हुए कि ईमानदारी, धैर्य और योग्यता एक सच्चे सैनिक की पहचान हैं।

भर्ती कार्यालय (मुख्यालय), चेन्नई द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में अभ्यर्थियों को नवीनतम जानकारी और विस्तृत निर्देशों के लिए नियमित रूप से वेबसाइट **www.joinindianarmy.nic.in** पर जाने की सलाह दी गई है।

चिड़ियाटापू के जैविक उद्यान में 'रेनफॉरेस्ट बर्डिंग ट्रेल' का आयोजन 1 अगस्त को

श्री विजय पुरम, 30 जुलाई

वर्ष 2026–27 के दौरान अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के सूचना, प्रचार एवं पर्यटन निदेशालय द्वारा आयोजित किए जा रहे पर्यटन मेलों, उत्सवों एवं कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत, निदेशालय द्वारा पर्यावरण एवं वन विभाग के सहयोग से 1 अगस्त, 2026 (शनिवार) को जैविक उद्यान, चिड़ियाटापू में 'रेनफॉरेस्ट बर्डिंग ट्रेल' का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पारिस्थितिकी पर्यटन को बढ़ावा देना तथा अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की समृद्ध पक्षी विविधता एवं प्राकृतिक वर्षावन पारिस्थितिकी तंत्र के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना है।

प्रतिभागियों को अनुभवी पक्षी विशेषज्ञों एवं विषय विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में द्वीपसमूह के प्रमुख पक्षी अवलोकन स्थलों में से एक का भ्रमण करने का अवसर मिलेगा। इस दौरान उन्हें स्थानिक एवं प्रवासी पक्षियों की विभिन्न प्रजातियों, वर्षावन पारिस्थितिकी तथा जैव विविधता संरक्षण के महत्व के बारे में जानकारी प्रदान की जाएगी।

पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर विभाग द्वारा 35 पंजीकृत प्रतिभागियों के लिए परिवहन सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इनमें प्रकृति प्रेमी, पक्षी अवलोकनकर्ता, विद्यार्थी, फोटोग्राफर, ट्रैवल एजेंट, पारिस्थितिकी पर्यटन से जुड़े हितधारक तथा आम नागरिक शामिल होंगे। ऐसे प्रतिभागियों से अनुरोध है कि वे 1 अगस्त, 2026 को सुबह 6.45 बजे सूचना, प्रचार एवं पर्यटन निदेशालय, श्री विजय पुरम परिसर में समय पर उपस्थित हों, जहां से उन्हें कार्यक्रम स्थल तक ले जाने के लिए परिवहन की व्यवस्था की जाएगी।

अन्य इच्छुक प्रतिभागी सुबह 7.30 बजे सीधे जैविक उद्यान, चिड़ियाटापू पहुंचकर भी कार्यक्रम में भाग ले सकते हैं। बर्डिंग ट्रेल का शुभारंभ सुबह 8 बजे होगा।

प्रतिभागियों को आरामदायक बाहरी परिधान एवं पैदल चलने के लिए उपयुक्त जूते पहनने की सलाह दी गई है। साथ ही उन्हें दूरबीन, कैमरा, पेयजल, टोपी अथवा हैट तथा प्रकृति भ्रमण के लिए आवश्यक अन्य व्यक्तिगत सामग्री साथ लाने के लिए भी प्रोत्साहित किया गया है।

सूचना, प्रचार एवं पर्यटन निदेशालय ने सभी प्रकृति प्रेमियों से इस ज्ञानवर्धक अनुभव में भाग लेने और अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में उत्तरदायी, सतत एवं प्रकृति–आधारित पर्यटन को बढ़ावा देने में अपना योगदान देने का आह्वान किया है।

सूचना, प्रचार एवं पर्यटन विभाग से प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, कार्यक्रम से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी अथवा स्पष्टीकरण के लिए इच्छुक प्रतिभागी प्रबंधक (संचालन/पर्यटन), सूचना, प्रचार एवं पर्यटन निदेशालय से मोबाइल नंबर 9933255364 पर संपर्क कर सकते हैं।

युवा पेशेवर गोलमेज सम्मेलन–2026 में महिला–नेतृत्व वाले विकास एवं युवा नेतृत्व पर दिया गया विशेष बल

श्री विजय पुरम, 30 जुलाई

भारत सरकार के युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय के अधीन मेरा भारत, श्री विजय पुरम द्वारा 30 जुलाई, 2026 को टैगोर राजकीय शिक्षा महाविद्यालय (टीजीसीई), श्री विजय पुरम में युवा पेशेवर गोलमेज सम्मेलन–2026 का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन विकसित भारत युवा नेता संवाद (वीबीवाईएलडी)–2026 पहल के अंतर्गत किया गया, जिसका उद्देश्य विकसित भारत@2047 की परिकल्पना पर युवा पेशेवरों, विद्यार्थियों, शिक्षाविदों, उद्यमियों एवं विशेषज्ञों के मध्य सार्थक संवाद को प्रोत्साहित करना था, जिसमें महिला–नेतृत्व वाले विकास पर विशेष बल दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संयोजक श्री हरीश कुमार, युवा प्रतीक द्वारा स्वागत उद्बोधन के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने मुख्य अतिथियों, पैनल सदस्यों एवं प्रतिभागियों का हार्दिक स्वागत किया। इसके उपरांत दीप प्रज्ज्वलन तथा वंदे मातरम् के सामूहिक गायन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ, जिसने पूरे आयोजन को देशभक्ति एवं प्रेरणादायक वातावरण प्रदान किया।

मुख्य वक्तव्य प्रस्तुत करते हुए श्री सुख रंजन बिस्वास, संयुक्त निदेशक, मेरा भारत ने राष्ट्र निर्माण में युवाओं को सक्रिय भागीदार के रूप में सशक्त बनाने की भारत सरकार की परिकल्पना पर प्रकाश डाला। इसके उपरांत विकसित भारत युवा नेता संवाद (वीबीवाईएलडी) पर आधारित एक लघु फिल्म प्रदर्शित की गई। इसके बाद विकसित

शेष पृष्ठ 4 पर

अण्डमान की साझा विरासत का उत्सव मनाने के लिए 'कालापानी ट्रेल' विरासत भ्रमण का सफल आयोजन

श्री विजय पुरम, 30 जुलाई

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के कला एवं संस्कृति विभाग ने इंटैच के सहयोग से 30 जुलाई, 2026 को 'कालापानी ट्रेल' विरासत भ्रमण का सफल आयोजन किया। इस आयोजन के माध्यम से द्वीपसमूह की समृद्ध ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण तथा विरासत–आधारित पर्यटन को बढ़ावा देने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुनः दोहराया गया।

विरासत भ्रमण की शुरुआत अल्लामा फज़्ल–ए–हक़ ख़ैराबादी की मज़ार से हुई तथा इसका समापन बैटल ऑफ अबर्डीन स्मारक पर हुआ। इस दौरान प्रतिभागियों ने लेडी कन्विक्ट्स बैरक, गवर्नमेंट प्रेस, ब्लेसिंगटन तथा जवाहरलाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय (जेएनआरएम) सहित अनेक महत्वपूर्ण विरासत स्थलों का भ्रमण किया।

इस कार्यक्रम में पर्यटकों, विद्यार्थियों, स्वतंत्र पर्यटक मार्गदर्शकों, पैनलबद्ध मार्गदर्शकों तथा आम जनता ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उनकी सक्रिय सहभागिता ने अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति साझा प्रतिबद्धता को दर्शाया। यहां प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, कला एवं संस्कृति

विभाग ने इस आयोजन की सफलता में योगदान देने के लिए इंटैच, सभी प्रतिभागियों, विरासत प्रेमियों तथा अन्य हितधारकों के प्रति आभार व्यक्त किया। विभाग अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के विशिष्ट इतिहास का उत्सव मनाने तथा इसकी अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर के प्रति जनसहभागिता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से भविष्य में भी इसी प्रकार की विरासत संबंधी पहलों का आयोजन करने के लिए प्रतिबद्ध है।

ओग्राब्राज में जलाकर हत्या मामले में आजीवन कारावास की सज़ा

श्री विजय पुरम, 30 जुलाई

अण्डमान तथा निकोबार पुलिस न्याय सुनिश्चित करने तथा कानून के नियम को बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता पर दृढ़ता से कायम है। एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, माननीय अपर ज़िला एवं सत्र न्यायालय, श्री विजय पुरम ने दिनांक 29.07.2026 के अपने निर्णय द्वारा पुलिस थाना ओग्राब्राज के एफआईआर संख्या 111/2012, दिनांक 01.08.2012, जो भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 302 के अंतर्गत दर्ज़ की गई थी, के संबंध में अमित कुमार तिर्की, पिता श्री आनंद माशी तिर्की, निवासी क्वारी बस्ती, नमूनाघर को दोषी ठहराया।

यह मामला एक दुखद घरेलू विवाद से उत्पन्न हुआ था, जिसमें पीड़िता को जानबूझकर आग लगाकर गंभीर रूप से झुलसा दिया गया था, जिसके कारण उसकी मृत्यु हो गई। निरीक्षक साहिल शम्सुद्दीन द्वारा की गई गहन एवं वैज्ञानिक जांच तथा मौखिक एवं दस्तावेज़ी साक्ष्यों के आधार पर अभियोजन पक्ष ने संदेह से परे आरोपी का अपराध सिद्ध करने में सफलता प्राप्त की। इसके उपरांत, दिनांक 30.07.2026 को माननीय न्यायालय ने दोषी को आजीवन कठोर कारावास की सज़ा सुनाई तथा उस पर 50,000 रुपये का जुर्माना लगाया। न्यायालय

शेष पृष्ठ 4 पर

टीबी मुक्त भारत ऐप का शुभारंभ : टीबी देखभाल, जन–जागरूकता एवं सामुदायिक सहभागिता को मिलेगा बढ़ावा

श्री विजय पुरम, 30 जुलाई

भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के केंद्रीय क्षय रोग प्रभाग ने राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) के अंतर्गत टीबी मुक्त भारत ऐप का शुभारंभ किया है। यह एक डिजिटल पहल है, जिसका उद्देश्य क्षय रोग (टीबी) की देखभाल को सुदृढ़ बनाना, जन–जागरूकता बढ़ाना तथा टीबी उन्मूलन के प्रयासों में सामुदायिक सहभागिता को प्रोत्साहित करना है।

टीबी मुक्त भारत ऐप एक उपयोगकर्ता–अनुकूल डिजिटल मंच है, जिसे टीबी से संबंधित जानकारी एवं सेवाओं तक सरल पहुंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विकसित किया गया है। यह ऐप टीबी रोगियों को उनके उपचार की पूरी प्रक्रिया के दौरान उपचार संबंधी मार्गदर्शन, उपचार के पालन में सहयोग तथा अनुवर्ती सहायता प्रदान करता है। रोगी–केंद्रित सेवाओं की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए इसे निक्षय जैसी मौजूदा प्रणालियों के साथ भी एकीकृत किया गया है।

रोगियों को सहायता प्रदान करने के अतिरिक्त, यह ऐप टीबी से संबंधित सही एवं प्रमाणिक जानकारी, जैसे इसके लक्षण, बचाव तथा उपचार के बारे में जानकारी प्रसारित करने का एक प्रभावी माध्यम भी है। इससे टीबी से जुड़े सामाजिक कलंक को कम करने तथा समय पर जांच एवं शीघ्र पहचान को प्रोत्साहित करने में सहायता मिलेगी।

इस ऐप की एक प्रमुख विशेषता निक्षय मित्र पहल के माध्यम से सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देना है। आम नागरिकों, संस्थानों, कॉर्पोरेट संस्थाओं एवं विभिन्न संगठनों को ऐप के माध्यम से निक्षय मित्र के रूप में पंजीकरण कराने तथा उपचार अवधि के दौरान टीबी रोगियों को पोषण संबंधी, सामाजिक अथवा वित्तीय सहायता प्रदान कर सहयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया गया है।

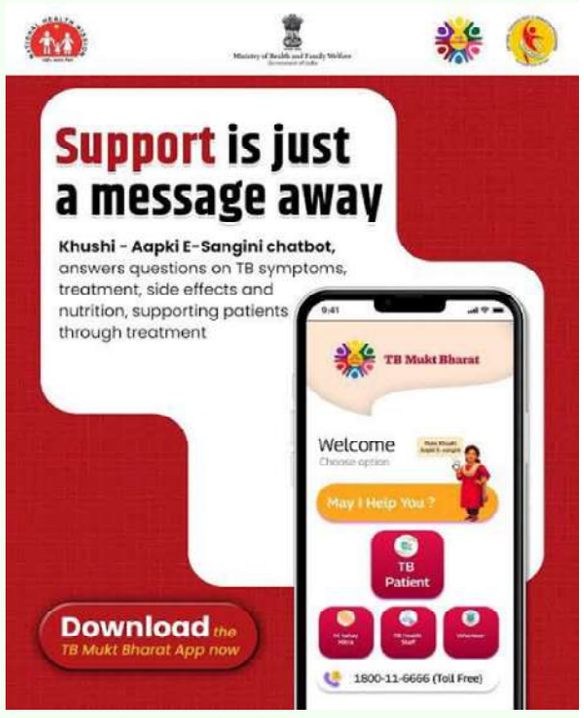

ऐप में 'खुशी–आपके ई–संगिनी' नामक एक संवादात्मक चैटबॉट भी उपलब्ध है, जिसे टीबी संबंधी त्वरित, विश्वसनीय एवं उपयोगकर्ता–अनुकूल जानकारी उपलब्ध कराने के लिए विकसित

शेष पृष्ठ 4 पर

मायाबंदर में शराब पीकर वाहन चलाने के विरुद्ध चला संयुक्त प्रवर्तन अभियान

मायाबंदर, 30 जुलाई

सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने तथा यातायात नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के अपने निरंतर प्रयासों के तहत 29 जुलाई, 2026 को उत्तर व मध्य अण्डमान ज़िले के मायाबंदर के पानीघाट में शराब पीकर वाहन चलाने के विरुद्ध एक संयुक्त विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया गया।

प्रवर्तन अभियान का नेतृत्व पुलिस थाना मायाबंदर के थाना प्रभारी निरीक्षक आर.के. मजूमदार ने विशेष यातायात जांच दल तथा श्री चंद्र शेखर राव, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (आरटीओ), मायाबंदर के समन्वय से किया। इस अभियान के दौरान विशेष रूप

शेष पृष्ठ 4 पर

बी.ए.–एलएल.बी. की तृतीय काउंसलिंग 3 अगस्त को

श्री विजय पुरम, 30 जुलाई

नेताजी सुभाष चंद्र बोस उच्च शिक्षा संस्थान (एनएससीबीआईएचएल) के घटक महाविद्यालय अण्डमान लॉ कॉलेज द्वारा संचालित बी.ए.–एलएल.बी. (पांच वर्षीय एकीकृत पाठ्यक्रम) में प्रवेश हेतु रिक्त सीटों के लिए तृतीय काउंसलिंग 3 अगस्त, 2026 (सोमवार) को आयोजित की जाएगी। काउंसलिंग सुबह 10 बजे से समयानुसार प्रारंभ होगी तथा आवेदकों से अनुरोध है कि वे सुबह 9.30 बजे तक महाविद्यालय के सभागार में उपस्थित हो जाएं। शैक्षणिक सत्र 2026–27 के लिए पात्र अभ्यर्थियों की अंतिम मेरिट सूची पहले ही कॉमन ऑनलाइन एडमिशन पोर्टल फॉर कॉलेजेज (सीसीएपी) (**https://collegeadmission.andamannicobar.gov.in**) पर प्रकाशित की जा चुकी है तथा महाविद्यालय के सूचना पट्ट पर भी प्रदर्शित की गई है।

यहां प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, जिन इच्छुक अभ्यर्थियों ने पहले ही आवेदन किया है तथा जिन्हें पात्र पाया गया है, उनसे अनुरोध है कि वे निर्धारित तिथि, समय एवं स्थान पर सभी मूल प्रमाण–पत्रों व दस्तावेज़ों के साथ काउंसलिंग में उपस्थित हों। रिक्त सीटों का आवंटन श्रेणी–5 (सामान्य मेरिट) के अंतर्गत मेरिट के आधार पर किया जाएगा, जिसकी शुरुआत 27 जुलाई, 2026 को आयोजित द्वितीय काउंसलिंग में निर्धारित 70.6 प्रतिशत के कटऑफ अंक (क्रम संख्या–295) से की जाएगी। उपर्युक्त तिथि को काउंसलिंग में उपस्थित न होने पर अभ्यर्थी का प्रवेश पर दावा स्वतः समाप्त हो जाएगा।

जेएनआरएम कॉलेज में "मेक इन इंडिया" पर व्याख्यान एवं जागरूकता कार्यक्रम संचालित

श्री विजय पुरम, 30 जुलाई

1(अण्डमान तथा निकोबार) स्वतंत्र इन्फैंट्री कंपनी एनसीसी ने श्री विजय पुरम स्थित जवाहरलाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय (जेएनआरएम) में भारत सरकार की प्रमुख पहल 'मेक इन इंडिया' पर व्याख्यान एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का समन्वय लेफ्टिनेंट डॉ. विवेक कुमार साहू, एएनओ, जेएनआरएम द्वारा किया गया और उन्होंने ही व्याख्यान दिया। कैडेटों और स्टाफ ने सक्रिय रूप से भाग लिया। एनसीसी कैडेटों ने सत्र में भाग लिया, साथ ही पीआई स्टाफ हवलदार दीपक और हवलदार मनिंदर सिंह राजक भी उपस्थित थे। लेफ्टिनेंट डॉ. साहू ने मुख्य बिंदुओं पर प्रकाश डाला, जिनमें मेक इन इंडिया के उद्देश्य रोज़गार, विनिर्माण, नवाचार और अन्य गतिविधियों को बढ़ावा देना है, प्रमुख क्षेत्रों में ऑटोमोबाइल, विमानन, जैव प्रौद्योगिकी, रक्षा, नवीकरणीय ऊर्जा, वस्त्र और इलेक्ट्रॉनिक्स शामिल हैं। इसके अलावा मोबाइल फोन निर्माण, रक्षा उद्योग और नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं में वृद्धि जैसी उपलब्धियों, बुनियादी ढांचे की कमियों, नियामक बाधाओं और वैश्विक प्रतिस्पर्धा जैसी चुनौतियों पर भी चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि भविष्य की दृष्टि आत्मनिर्भर भारत, उद्योग 4.0 और सतत विकास के अनुरूप है। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार संवादात्मक चर्चाओं, पोस्टर प्रदर्शनों और प्रेरक संदेशों के माध्यम से अभियान के आदर्श वाक्य "शून्य दोष, शून्य प्रभाव" पर ज़ोर दिया गया।

एनकॉल में आठ स्नातक (ऑनर्स) पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु काउंसलिंग कार्यक्रम

श्री विजय पुरम, 30 जुलाई

क्र.सं.	कार्यक्रम	तिथि
1.	4 स्नातक पाठ्यक्रमों–बी.कॉम (सामान्य), बी.कॉम (कॉरपोरेट सचिवीय), बीबीए हेतु सामान्य, ओबीसी, अनुसूचित जनजाति, दिव्यांग एवं ईडब्ल्यूएस श्रेणी के अभ्यर्थियों की काउंसलिंग	5 अगस्त, 2026 सुबह 9.30 बजे से दोपहर 1 बजे तक भोजनावकाश दोपहर 1.30 बजे से सायं 5 बजे तक
2.	4 स्नातक पाठ्यक्रमों–बी.ए. (अर्थशास्त्र), बी.ए. (समाजशास्त्र) तथा बी.पी.ए. संगीत (हिन्दुस्तानी गायन एवं वाद्य) हेतु सामान्य, ओबीसी, अनुसूचित जनजाति, दिव्यांग एवं ईडब्ल्यूएस श्रेणी के अभ्यर्थियों की काउंसलिंग	6 अगस्त, 2026 सुबह 9.30 बजे से दोपहर 1 बजे तक भोजनावकाश दोपहर 1.30 बजे से सायं 5 बजे तक

शैक्षणिक सत्र 2025–2026 के लिए अण्डमान कॉलेज (एनकॉल) में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थियों को उपर्युक्त कार्यक्रमानुसार काउंसलिंग–सह–प्रवेश प्रक्रिया में अनिवार्य रूप से उपस्थित होना होगा। सभी अभ्यर्थियों को अपने मूल प्रमाण–पत्रों के साथ स्वप्रमाणित छायाप्रतियों का एक–एक सेट साथ लाना होगा। काउंसलिंग के दिन ऑफलाइन आवेदन भी स्वीकार किए जाएंगे। जिन अभ्यर्थियों ने ऑनलाइन आवेदन पत्र प्रस्तुत नहीं किया है, वे विधिवत भरा हुआ आवेदन पत्र, जिसमें कक्षा 12वीं के अंक एवं कुल/औसत प्रतिशत स्पष्ट रूप से अंकित हो, तथा प्रवेश हेतु आवश्यक सभी सहायक दस्तावेज़ों के साथ काउंसलिंग में भाग ले सकते हैं। ऐसे ऑफलाइन आवेदन उसी दिन सुबह 10.30 बजे से पूर्व जमा करना अनिवार्य होगा, ताकि ऑफलाइन प्रवेश मेरिट सूची तैयार की जा सके। निर्धारित तिथि एवं समय पर काउंसलिंग–सह–प्रवेश प्रक्रिया में उपस्थित नहीं होने वाले अभ्यर्थियों का प्रवेश का दावा स्वतः निरस्त माना जाएगा। अस्थायी रूप से प्रवेश प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों को उसी दिन निर्धारित प्रवेश शुल्क का भुगतान अनिवार्य रूप से करना होगा। काउंसलिंग–सह–प्रवेश के समय सभी आवश्यक मूल दस्तावेज़, उनकी स्वप्रमाणित छायाप्रतियों का एक–एक सेट तथा दसवीं उत्तीर्ण प्रमाण–पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

मायाबंदर में शराब पीकर वाहन चलाने ——पृष्ठ 1 का शेष

से सार्वजनिक परिवहन वाहनों के चालकों, जिनमें सरकारी एवं निजी एक्सप्रेस बसें तथा अन्य सार्वजनिक परिवहन वाहन शामिल थे, को लक्षित किया गया। अभियान का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम करना तथा यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना था।

उत्तर व मध्य अण्डमान के पुलिस अधीक्षक से प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि अभियान के दौरान वाहन चालकों एवं सार्वजनिक परिवहन चालकों को शराब के प्रभाव में वाहन चलाने के गंभीर जोखिमों तथा इसके कानूनी परिणामों के बारे में जागरूक किया गया। उन्हें सार्वजनिक सुरक्षा के हित में ज़िम्मेदारीपूर्वक वाहन चलाने तथा सभी यातायात नियमों एवं विनियमों का कड़ाई से पालन करने की सलाह दी गई।

प्रवर्तन दल ने अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई भी की तथा विभिन्न प्रकार के उल्लंघनों के लिए आठ चालान जारी किए।

उत्तर व मध्य अण्डमान ज़िला पुलिस निरंतर प्रवर्तन एवं जन–जागरूकता के माध्यम से सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई जारी रखेगी।

ओग्राब्राज में जलाकर हत्या मामले में ——पृष्ठ 1 का शेष

ने निर्देश दिया कि जुर्माने की राशि पीड़िता के पुत्र को प्रदान की जाए। दक्षिण अण्डमान के पुलिस अधीक्षक से प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि यह दोषसिद्धि इस तथ्य की पुनः पुष्टि करती है कि प्रत्येक अपराध की पूरी निष्ठा एवं गंभीरता के साथ जांच की जाती है तथा कितना भी समय बीत जाए, अपराधी कानून की पहुंच से बच नहीं सकते। अण्डमान तथा निकोबार पुलिस सभी नागरिकों से शांति बनाए रखने, विवादों का समाधान विधिसम्मत तरीकों से करने तथा कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ सहयोग करने की अपील करती है। यह मामला इस बात की याद दिलाता है कि न्याय मिलने में समय लग सकता है, लेकिन अपराध कभी लाभदायक नहीं होता और अंततः अपराधियों को कानून के समक्ष अपने कृत्यों के लिए जवाबदेह ठहराया ही जाता है।

युवा पेशेवर गोलमेज सम्मेलन–2026 में ——पृष्ठ 1 का शेष

भारत@2047 के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए माननीय प्रधानमंत्री द्वारा साझा किए गए प्रमुख सुझावों एवं परिकल्पना पर आधारित एक प्रस्तुति दी गई।

कार्यक्रम में दक्षिण अण्डमान की अपर ज़िला मजिस्ट्रेट, श्रीमती प्रियंका कुमारी, दानिक्स, ने मुख्य अतिथि के रूप में अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज़ कराई। टैगोर राजकीय शिक्षा महाविद्यालय (टीजीसीई) की प्राचार्य श्रीमती मंजुलता राव ने विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में सहभागिता की। चिन्मय मिशन के सचिव स्वामी शुद्धानन्द सरस्वती जी ने विशेष अतिथि के रूप में कार्यक्रम में भाग लिया। अण्डमान लॉ कॉलेज के प्राचार्य डॉ. पी. वी. एन. सरमा ने विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में सहभागिता की तथा लोकतांत्रिक संवाद, उत्तरदायी नेतृत्व एवं राष्ट्र निर्माण में युवाओं की सहभागिता को बढ़ावा देने हेतु उत्कृष्ट मंच उपलब्ध कराने के लिए मेरा भारत की सराहना की।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम का समापन गणमान्य अतिथियों द्वारा प्रतिभागियों को प्रमाण–पत्र प्रदान करने एवं पुरस्कार वितरण के साथ हुआ। इस कार्यक्रम ने प्रतिभागियों को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदार बनने तथा भारत के माननीय प्रधानमंत्री द्वारा परिकल्पित विकसित भारत@2047 के लक्ष्य को साकार करने में अपना योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

टीबी मुक्त भारत ऐप का शुभारंभ : टीबी देखभाल ——पृष्ठ 1 का शेष

किया गया है। यह चैटबॉट लक्षणों, जांच, उपचार तथा उपलब्ध सरकारी सहायता सेवाओं से संबंधित प्रश्नों के उत्तर देकर उपयोगकर्ताओं की सहायता करता है। यह एक आभासी साथी के रूप में कार्य करते हुए रोगियों एवं आम नागरिकों का मार्गदर्शन करता है तथा उनकी शंकाओं का समयबद्ध एवं सरल तरीके से समाधान करने में सहायक है।

क्षय रोग आज भी एक महत्वपूर्ण जन–स्वास्थ्य चुनौती बना हुआ है, किंतु समय पर पहचान एवं उचित उपचार से यह पूर्णतः उपचार योग्य रोग है। टीबी मुक्त भारत ऐप जैसी डिजिटल पहलों के माध्यम से प्रौद्योगिकी का उपयोग जागरूकता की कमी को दूर करने, उपचार के पालन में सुधार लाने तथा सामुदायिक सहयोग को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

यहां प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में आम नागरिकों से आग्रह किया गया है कि वे टीबी मुक्त भारत ऐप को डाउनलोड कर उसका सक्रिय रूप से उपयोग करें, ताकि वे न केवल टीबी संबंधी सही जानकारी प्राप्त कर सकें, बल्कि निक्षय मित्र के रूप में पंजीकरण कर जरूरतमंद टीबी रोगियों की सहायता करके इस अभियान में सार्थक योगदान भी दे सकें।

टीबी मुक्त भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए समाज के सभी वर्गों के सामूहिक प्रयास एवं सक्रिय सहभागिता की आवश्यकता है। नागरिकों से इस राष्ट्रीय जनआंदोलन का हिस्सा बनने तथा आगे आकर अपना योगदान देने का आह्वान किया गया है।

जेएनआरएम में स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु द्वितीय काउंसलिंग

श्री विजय पुरम, 30 जुलाई

नेताजी सुभाष चंद्र बोस उच्च शिक्षा संस्थान (एनएससीबीआईएचएल) (मानित विश्वविद्यालय) के घटक महाविद्यालय जवाहरलाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय (जेएनआरएम), श्री विजय पुरम में विभिन्न स्नातक पाठ्यक्रमों की रिक्त सीटों को भरने के लिए द्वितीय प्रवेश काउंसलिंग 5 अगस्त, 2026 (बुधवार) को आयोजित की जाएगी। जिन सभी अभ्यर्थियों ने आरक्षित श्रेणियों, जैसे अनुसूचित जनजाति (एसटी), अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), दिव्यांग, आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस), केंद्रीय सरकार के कर्मचारियों अथवा भूतपूर्व सैनिकों के आश्रित तथा जेएनआरएम श्रेणी के अंतर्गत आवेदन किया है, उन्हें संबंधित श्रेणियों के लिए पृथक रूप से तैयार की गई अंतिम मेरिट सूची के अनुसार काउंसलिंग में उपस्थित होना होगा।

काउंसलिंग सत्र के दौरान सर्वप्रथम आरक्षित श्रेणियों की सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा। अतः आरक्षित श्रेणियों के अंतर्गत आवेदन करने वाले सभी अभ्यर्थी, अपनी मेरिट क्रम संख्या की परवाह किए बिना, सवेरे के सत्र में काउंसलिंग में उपस्थित हों। यहां प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, विभिन्न आरक्षित श्रेणियों में प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद यदि इन श्रेणियों (ईडब्ल्यूएस को छोड़कर) की कोई सीट रिक्त रह जाती है, तो उन्हें अनारक्षित (सामान्य) सीटों में परिवर्तित कर दिया जाएगा तथा इन पाठ्यक्रमों व विषयों में प्रवेश "सभी श्रेणी सूची" के अनुसार, जो अनारक्षित अभ्यर्थियों पर लागू होगी, प्रदान किया जाएगा।

निर्धारित तिथि एवं समय पर काउंसलिंग सत्र में उपस्थित न होने वाले अभ्यर्थियों को संबंधित पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु विचार नहीं किया जाएगा तथा मेरिट सूची में अगले पात्र अभ्यर्थी को प्रवेश दिया जाएगा।

इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों से अनुरोध है कि वे 5 अगस्त, 2026 (बुधवार) को सुबह 8.30 बजे तक जेएनआरएम, श्री विजय पुरम के संबंधित पाठ्यक्रमों के विभागों में उपस्थित हों।

सत्यापन हेतु अभ्यर्थियों को निम्नलिखित मूल दस्तावेज़ तथा उनकी एक–एक स्वप्रमाणित छायाप्रति (प्रवेश के समय जमा करने हेतु) साथ लानी होगी:

1. कक्षा 12वीं की मूल अंकतालिका (यह प्रमाण–पत्र जेएनआरएम में सुरक्षित रखा जाएगा)।
2. स्थानांतरण प्रमाण–पत्र (टीसी)/विद्यालय त्याग प्रमाण–पत्र की मूल प्रति (यह प्रमाण–पत्र जेएनआरएम में सुरक्षित रखा जाएगा)।
3. जन्म तिथि के सत्यापन हेतु कक्षा 10वीं का मूल उत्तीर्ण प्रमाण–पत्र।
4. मूल श्रेणी प्रमाण–पत्र (एसटी, ओबीसी, दिव्यांग, केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों/भूतपूर्व सैनिकों के आश्रित तथा ईडब्ल्यूएस)।
5. अभ्यर्थी का सफेद पृष्ठभूमि वाला एक पासपोर्ट आकार का रंगीन फोटोग्राफ।

विशेष सूचना :

डिजिलॉकर से डाउनलोड किए गए प्रमाण–पत्र काउंसलिंग के दौरान जेएनआरएम में अस्थायी प्रवेश प्रदान करने के लिए मान्य होंगे। तथापि, अंतिम सत्यापन तथा एनएससीबीआईएचएल (मानित विश्वविद्यालय) द्वारा अंतिम प्रवेश प्रदान किए जाने हेतु कक्षा 12वीं की मूल अंकतालिका एक सप्ताह के भीतर जेएनआरएम में जमा करना अनिवार्य होगा।

बीपीईएस पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए विशेष निर्देश:

एनएससीबीआईएचएल के मानदंडों के अनुसार बीपीईएस पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए शारीरिक दक्षता परीक्षा आयोजित की जाएगी। अतः अभ्यर्थियों को काउंसलिंग के दिन अपनी शारीरिक दक्षता परीक्षा हेतु उचित खेल परिधान पहनकर आना अनिवार्य है।

परीक्षा में निम्नलिखित स्पर्धाएं आयोजित की जाएंगी–

1. 100 मीटर स्प्रिंट (दौड़)
2. शॉट पुट
3. स्टैंडिंग ब्रॉड जंप
4. वर्टिकल जंप
5. 12 मिनट दौड़ या पैदल चाल परीक्षा

एलएफसी डॉलीगंज के कर्मचारियों को मिला अग्नि एवं सुरक्षा तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण

श्री विजय पुरम, 30 जुलाई

अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा विभाग द्वारा पशुधन फार्म परिसर (एलएफसी), डॉलीगंज के कर्मचारियों के लिए पशुपालन प्रशिक्षण संस्थान (एएचटीआई), डॉलीगंज में अग्नि एवं सुरक्षा तकनीकों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस प्रशिक्षण का आयोजन पशुधन फार्म परिसर तथा पशुपालन प्रशिक्षण संस्थान में कार्यरत कर्मचारियों की आपातकालीन तैयारी एवं सुरक्षा संबंधी जागरूकता को बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया। प्रशिक्षण सत्र के दौरान प्रतिभागियों को अग्नि सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं पर व्यावहारिक जानकारी प्रदान की गई, जिसमें अग्नि संबंधी संभावित खतरों की पहचान, विभिन्न प्रकार के अग्निशामक यंत्रों का सही उपयोग, आग बुझाने की तकनीकें, आपातकालीन निकासी की प्रक्रियाएं तथा आग लगने की स्थिति में अपनाए जाने वाले प्रारंभिक प्रतिक्रिया उपाय शामिल थे। प्रशिक्षण के व्यावहारिक स्वरूप के कारण कर्मचारियों को अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा विभाग के प्रशिक्षित कर्मियों के मार्गदर्शन में अग्नि सुरक्षा उपकरणों के उपयोग का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त हुआ। साथ ही नियमित सुरक्षा अभ्यास आयोजित करने, निकासी मार्गों को सदैव अवरोधमुक्त रखने तथा कार्यस्थल परिसर में अग्नि संबंधी दुर्घटनाओं के जोखिम को न्यूनतम करने के लिए निवारक उपाय अपनाने के महत्व पर भी विशेष बल दिया गया। यहां प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस कार्यक्रम से पशुधन फार्म परिसर के कर्मचारियों की अग्नि संबंधी आपात स्थितियों का प्रभावी ढंग से सामना करने की तैयारी तथा वहां कार्यरत कर्मचारियों एवं पशुधन परिसंपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की क्षमता में उल्लेखनीय सुधार होने की अपेक्षा है। पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा विभाग अन्य विभागों के सहयोग से नियमित क्षमता संवर्धन एवं सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से अपने कर्मचारियों के लिए सुरक्षित कार्य वातावरण सुनिश्चित करने के प्रति प्रतिबद्ध है।

लिटिल अण्डमान में दिव्य कला मेला एवं दिव्य कला शक्ति कार्यक्रम का आयोजन

हटबे, 30 जुलाई

समग्र शिक्षा के अंतर्गत बीपीओ लिटिल अण्डमान द्वारा 21 नवंबर, 2025 को आयोजित दिव्य कला मेला एवं दिव्य कला शक्ति कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (सीडब्ल्यूएसएन) की कलात्मक प्रतिभा, सांस्कृतिक अभिव्यक्ति एवं विभिन्न क्षमताओं को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया, जिससे समावेशिता एवं सशक्तिकरण को बढ़ावा मिला।

कार्यक्रम में खंड परियोजना अधिकारी (बीपीओ), लिटिल अण्डमान श्री प्रभाष राय तथा पीएम श्री राजकीय मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, हटबे की प्रधानाध्यापिका (प्राथमिक) श्रीमती निर्मला जया कोडी सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं प्रदर्शनी की सराहना की। कार्यक्रम में संगीत, रंगमंच कला, दृश्य कला, कहानी वाचन, योग, कविता पाठ तथा दिव्यांगता के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने वाले खेलों सहित अनेक गतिविधियों का आयोजन किया गया। अतिथियों ने प्रतिभागियों को उनकी सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया। श्री शशांक दास, स्नातकोत्तर शिक्षक (पीजीटी) सहित अन्य शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने भी कार्यक्रम में भाग लेकर अपना सहयोग प्रदान किया। यहाँ प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, कार्यक्रम में स्थानीय व्यंजनों के खाद्य स्टॉल तथा सहायक उपकरणों की प्रदर्शनी भी आयोजित की गई। प्रतिभा, सृजनात्मकता एवं समावेशिता का उत्सव मनाने के लिए ऐसा मंच उपलब्ध कराने पर आयोजकों की सराहना की गई तथा भविष्य में भी सभी शिक्षार्थियों के लिए सुगमता एवं समान अवसरों को बढ़ावा देने वाली इस प्रकार की पहल निरंतर जारी रखने के लिए उन्हें प्रोत्साहित किया गया।

विज्ञान केंद्र में शैक्षणिक कार्यक्रम

श्री विजय पुरम, 30 जुलाई

गुडविल एस्टेट, कार्बाइंस कोव रोड, श्री विजय पुरम स्थित विज्ञान केंद्र द्वारा 1 एवं 2 अगस्त, 2026 (शनिवार एवं रविवार) को सायंकालीन समय में आम दर्शकों के लिए निम्नानुसार विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है:–

क्र.सं.	कार्यक्रम	समय
1.	स्काई शो	सायं 5.30 बजे से सायं 7 बजे तक
2.	3डी शो	सायं 5.30 बजे एवं सायं 6.15 बजे
3.	बबल शो	सायं 6.15

स्काई शो के दौरान दर्शकों को श्री विजय पुरम के आकाश का स्काई मैप उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे वे ग्रहों एवं अन्य खगोलीय पिंडों की पहचान कर सकेंगे। दर्शकों को शक्तिशाली दूरबीन के माध्यम से 'शुक्र ग्रह', जिसे सुबहकालीन एवं सायंकालीन तारे के रूप में लोकप्रिय रूप से जाना जाता है, का रोमांचक अवलोकन करने का अवसर भी मिलेगा। स्काई शो का आयोजन मौसम की अनुकूल परिस्थितियों पर निर्भर करेगा।

बबल शो एक मनोरंजन से भरपूर कार्यक्रम है, जिसे विशेष रूप से सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए अपने बच्चों के साथ आनंद लेने हेतु तैयार किया गया है। कार्यक्रम के दौरान प्रदर्शनकर्ता छोटे बुलबुलों से लेकर विशाल बुलबुलों तक, बच्चों के अत्यंत प्रिय डोरेमोन बुलबुले, घनाकार (क्यूबिक) बुलबुले, कैटरपिलर बुलबुले, फायर बुलबुले सहित अनेक प्रकार के बुलबुले तैयार कर उनका प्रदर्शन करेंगे। यहां प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, स्काई शो एवं बबल शो के लिए प्रवेश शुल्क प्रति कार्यक्रम प्रति व्यक्ति 10 रुपये निर्धारित किया गया है, जबकि 3डी शो के लिए प्रवेश शुल्क प्रति व्यक्ति 20 रुपये होगा।

मायाबंदर में सीडब्ल्यूएसएन हेतु लगा मूल्यांकन शिविर

मायाबंदर, 30 जुलाई

खंड परियोजना अधिकारी श्री प्रकाश हौलादार के मार्गदर्शन में उत्तर व मध्य अण्डमान ज़िले के मायाबंदर क्षेत्र में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (सीडब्ल्यूएसएन) के लिए पहचान एवं मूल्यांकन शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह शिविर 29 जुलाई, 2026 को ज़िला शिक्षा अधिकारी कार्यालय, मायाबंदर के सम्मेलन कक्ष में तथा 30 जुलाई, 2026 को सीआरसी, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, पहलगांव में आयोजित किया गया। दोनों स्थानों पर आयोजित शिविर में कुल 50 विद्यार्थियों ने भाग लिया। यहां प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, चिकित्सकीय विशेषज्ञों एवं शिक्षा क्षेत्र के पेशेवरों की एक टीम ने प्रत्येक बच्चे की व्यक्तिगत आवश्यकताओं का आकलन करने के लिए विस्तृत मूल्यांकन किया। सभी हितधारकों की सक्रिय सहभागिता के साथ शिविर का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय द्वारा प्रकाशित तथा प्रबन्धक, राजकीय मुद्रणालय द्वारा मुद्रित, वितरण तथा विज्ञापन के लिए फोन–229465, प्रधान सम्पादक (प्रभारी) पी. कैरल डी. सोणी
e-mail:dweepsamachar@gmail.com

सूचना

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन ने वाइपर एवं एंडरसन द्वीप के लिए एकीकृत द्वीप प्रबंधन योजनाएँ (IIMPs) तैयार करने का कार्य नेशनल सेंटर फॉर सस्टेनेबल कोस्टल मैनेजमेंट (एन.सी.एस.सी.एम)/ (NCSCM), चेन्नई को सौंपा है। यह कार्य द्वीप तटीय विनियमन क्षेत्र (ICRZ) अधिसूचना, 2019 के अनुसार किया जा रहा है।

एन.सी.एस.सी.एम. ने वाइपर एवं एंडरसन द्वीप के प्रारूप आई.आई.एम.पी, तटीय भूमि उपयोग मानचित्र तथा भू–आकृति विज्ञान मानचित्र प्रस्तुत किए हैं और आम जनता एवं हितधारकों से सुझाव एवं टिप्पणियाँ आमंत्रित की हैं। ये मानचित्र अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन (https://andamannicobar.gov.in/) तथा पर्यावरण एवं वन विभाग (https://forest.and.nic.in/), अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन की वेबसाइटों पर उपलब्ध हैं।

सॉफ्ट कॉपी विभिन्न कार्यालयों में भी उपलब्ध कराई गई है, जिनमें ए.एन.सी.जेड.एम.ए, के अध्यक्ष (मुख्य सचिव, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन), सदस्य सचिव, ए.एन.सी.जेड.एम.ए., {एपीसीसीएफ (सी.आर.जेड. एण्ड एफ.सी) वन सदन, हैडौ,} उपायुक्त (दक्षिण अण्डमान), उपायुक्त (मध्य एवं उत्तर अण्डमान), प्रभागीय वन अधिकारी (दक्षिण अण्डमान), प्रभागीय वन अधिकारी (मायाबंदर), अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, मध्य एवं उत्तर अण्डमान, सहायक आयुक्त (मुख्यालय) (दक्षिण अण्डमान), सदस्य सचिव (प्रदूषण नियंत्रण समिति), निदेशक (कला एवं संस्कृति), निदेशक (सूचना, प्रचार और पर्यटन) तथा निदेशक (जनजातीय कल्याण विभाग), और तहसीलदार (श्री विजय पुरम), तहसीलदार (मायाबंदर), एवं रेंज अधिकारी (टुसनाबाद), रेंज अधिकारी (टुगापुर), के कार्यालय शामिल हैं।

संबंधित हितधारकों से अनुरोध किया जाता है कि वे अपने विचार, टिप्पणियाँ, सुझाव तथा वर्तमान या प्रस्तावित परियोजनाओं का विवरण, साथ ही अगले 10 वर्षों में होने वाले विकास, मास्टर प्लान, आदि का विवरण, यदि कोई हो, भौगोलिक संदर्भित Shapefiles (ArcGIS/ Shapefile/KML प्रारूप), सूचना के जारी होने की तारीख से 30 दिनों के भीतर ए.पी.सी.सी.एफ. (सी.आर.जेड एण्ड एफ.सी.)} वन सदन, हैडो, श्री विजय पुरम के कार्यालय में या apccf-crzfc.an@and.nic.in पर ईमेल के माध्यम से जमा करें।

सुझाव एवं टिप्पणियाँ प्रस्तुत करते समय हितधारक ऊपर उल्लिखित वेबसाइटों पर उपलब्ध ICRZ अधिसूचना, 2019 के प्रावधानों का संदर्भ ले सकते हैं।

सदस्य सचिव,
अण्डमान तथा निकोबार सी.जेड.एम.ए.
वन सदन, हैडो, श्री विजय पुरम

ई–निविदा सूचना

कार्यपालक अभियंता, पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान, प्रधान, ग्राम पंचायत, गोविन्द नगर, कैंपबेल बे की ओर से, निम्नलिखित कार्यो के लिए उचित श्रेणी के योग्य व अनुभवी ठेकेदारों से मुहरबंद मद दर (के.लो.नि.वि.–8 के प्रपत्र के रूप में) आमंत्रित करते है।

एन. आई. टी. संख्या : क.अ./पी आर आई/एस ए डी–।/आर आर/2026–27/89

1. गोविन्द नगर ग्राम पंचायत के अंर्तगत कैंपबेल बे वार्ड संख्या 06 में डी. कंतम्मा के घर से डी. राजुल्लम्मा के घर तक सी सी ड्रेन की मरम्मत और रखरखाव, साथ ही हैंड रेलिंग लगाना।
2. गोविन्द नगर ग्राम पंचायत के अंर्तगत कैंपबेल बे वार्ड संख्या 06 में टी. वेंकट राव के घर से पी. भीमाराव के घर तक सी सी ड्रेन की मरम्मत और रखरखाव, साथ ही हैंड रेलिंग लगाना।
3. गोविन्द नगर ग्राम पंचायत के अंर्तगत कैंपबेल बे वार्ड संख्या 06 में प्रोसोथम के घर से जी. अपन्ना के घर तक सी सी ड्रेन की मरम्मत और रखरखाव, साथ ही हैंड रेलिंग लगाना।

अनुमानित लागत : रु. 15,75,752/–, धरोहर राशि : रु. 31,515/–, कार्य समाप्ति की अवधि : (03) तीन माह।
निविदा शुल्क : रु. 500/–, बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : 10/08/2026 के अपराहन 3.00 बजे तक।
निविदा प्रपत्र और अन्य विवरण वेबसाइट https://eprocure.andamannicobar.gov.in से प्राप्त किए जा सकते हैं।
टेंडर आई डी : 2026_RDPRI_23973_1

कार्यपालक अभियंता,
पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।,
जंगलीघाट, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान

ई–निविदा सूचना

कार्यपालक अभियंता, पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान, प्रधान, ग्राम पंचायत, बम्बूफ्लाट–। की ओर से, निम्नलिखित कार्यों के लिए उचित श्रेणी के योग्य व अनुभवी ठेकेदारो से मुहरबंद मद दर (के.लो.नि.वि.–8 के प्रपत्र के रूप में आमंत्रित करते है।

एन. आई. टी. संख्या : क.अ./पी आर आई/एस ए डी–।/आर आर/2026–27/88
कार्य का नाम : बम्बूफ्लाट–।, ग्राम पंचायत के अंर्तगत वार्ड न. 07 में श्रीनू के घर से तिरूपति मंदिर तक मध्य सड़क की मरम्मत और रखरखाव।
अनुमानित लागत : रु. 9,06,354/–, धरोहर राशि : रु. 18,127/–, कार्य समाप्ति की अवधि : (03) तीन माह।
निविदा शुल्क : रु. 500/–, बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : 10/08/2026 के अपराहन 3.00 बजे तक।
निविदा प्रपत्र और अन्य विवरण वेबसाइट https://eprocure.andamannicobar.gov.in से प्राप्त किए जा सकते हैं।
टेंडर आई डी : 2026_RDPRI_23990_1

कार्यपालक अभियंता,
पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।,
जंगलीघाट, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान

धनपत राय से कथा सम्राट प्रेमचंद बनने का सफर, जिनकी लेखनी आज भी समाज का आईना

नई दिल्ली, 30 जुलाई (आईएएनएस)। हिंदी और उर्दू साहित्य का इतिहास जब भी लिखा जाएगा, उसमें मुंशी प्रेमचंद का नाम स्वर्ण अक्षरों में दर्ज रहेगा। उन्हें केवल एक उपन्यासकार या कहानीकार कहना उनके साहित्यिक व्यक्तित्व को सीमित करना होगा। प्रेमचंद ने अपनी लेखनी के माध्यम से भारतीय समाज के उस यथार्थ को शब्द दिए, जिसे उस दौर में बहुत कम लेखक इतनी संवेदनशीलता और निर्भीकता के साथ प्रस्तुत कर पाए।

31 जुलाई 1880 को उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले के लमही गांव में जन्मे प्रेमचंद का वास्तविक नाम धनपत राय श्रीवास्तव था। उनके पिता अजायब राय डाक विभाग में कार्यरत थे। उनकी माता आनंदी देवी गृहिणी थीं। बचपन आर्थिक कठिनाइयों और पारिवारिक चुनौतियों के बीच बीता, लेकिन ज्ञान के प्रति उनकी जिज्ञासा कभी कम नहीं हुई। प्रारंभिक शिक्षा के बाद उन्होंने अध्यापन कार्य किया और बाद में साहित्य को ही जीवन बना लिया।

प्रेमचंद के नाम को लेकर भी एक रोचक तथ्य प्रचलित है। उन्होंने अपने साहित्यिक जीवन की शुरुआत श्नवाब रायश नाम से की थी। वर्ष 1908 में जब उनका कहानी संग्रह 'सोज़–ए–वतन' अंग्रेज सरकार द्वारा राष्ट्रवादी विचारों के कारण जब्त कर लिया गया, तब उन्हें नया उपनाम अपनाना पड़ा। इसके बाद वे 'प्रेमचंद' नाम से लिखने लगे और यही नाम अमर हो गया। समय के साथ उनके नाम के आगे मुंशी भी जुड़ गया। हालांकि, आम धारणा यह रही कि यह संबोधन उनके पिता के पेशे के कारण जुड़ा, लेकिन कई साहित्यकारों का मानना है कि यह संबोधन उनके संपादकीय कार्य और समकालीन साहित्यिक परिवेश के कारण लोकप्रिय हुआ।

प्रेमचंद ने पहले उर्दू में लेखन शुरू किया और बाद में हिंदी में भी समान अधिकार के साथ लिखा। उन्होंने लगभग डेढ़ दर्जन उपन्यास, तीन सौ से अधिक कहानियां, कई नाटक, निबंध और संपादकीय लिखे। गोदान, गबन, कर्मभूमि, निर्मला, सेवासदन और रंगभूमि जैसे उपन्यास आज भी भारतीय समाज और साहित्य की अमूल्य धरोहर माने जाते हैं। वहीं, ईदगाह, पूस की रात, ठाकुर का कुआं, दो बैलों की कथा, कफन, बड़े भाई साहब जैसी कहानियां हर पीढ़ी को संवेदनशीलता, मानवीयता और सामाजिक चेतना का संदेश देती हैं।

प्रेमचंद के जीवन का एक बेहद मानवीय पक्ष उनकी पत्नी शिवरानी देवी की पुस्तक 'प्रेमचंद घर में' से सामने आता है। शिवरानी देवी उनकी दूसरी पत्नी थीं और उन्होंने अपने संस्मरणों में प्रेमचंद के घरेलू जीवन, संघर्ष, सादगी और लेखकीय स्वभाव का अत्यंत मार्मिक चित्रण किया है। इन संस्मरणों से पता चलता है कि प्रेमचंद केवल महान लेखक ही नहीं, बल्कि बेहद सरल, संवेदनशील और परिवार के प्रति समर्पित व्यक्ति भी थे। वे अक्सर घर–परिवार की छोटी–छोटी घटनाओं और भावनाओं को भी अपनी कहानियों का हिस्सा बना देते थे।

8 अक्टूबर 1936 को वाराणसी में प्रेमचंद का निधन हो गया, लेकिन उनकी रचनाएं आज भी जीवंत हैं। स्कूलों और विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम से लेकर शोध कार्यों तक, उनकी साहित्यिक विरासत लगातार नई पीढ़ियों का मार्गदर्शन कर रही है। बदलते समय में भी उनकी कहानियां सामाजिक असमानता, नैतिक मूल्यों और मानवीय संवेदनाओं पर उतनी ही प्रासंगिक हैं, जितनी उनके समय में थीं।–आईएएनएस

भ्रामक दावों पर एफएसएसएआई की बड़ी कार्रवाई, दो स्वास्थ्य सप्लीमेंट उत्पादों की बिक्री पर रोक

नई दिल्ली, 30 जुलाई।

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए भ्रामक दावों, नियमों के उल्लंघन और गलत लेबलिंग के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए दो स्वास्थ्य सप्लीमेंट उत्पादों 'FOLINEURO Syrup' और 'Neuherbs TRUE VITAMIN' की बिक्री पर रोक लगा दी है।

एफएसएसएआई ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जानकारी देते हुए बताया कि नियमों का उल्लंघन करने वाले कई खाद्य कारोबार संचालकों (FBOs) के खिलाफ प्रतिबंधात्मक आदेश, लाइसेंस निलंबन और बिक्री पर रोक जैसी कार्रवाई की गई है।

नियामक ने Vatave Health Care के 'FOLINEURO Syrup – Folinic Acid Syrup' के निर्माण, भंडारण, वितरण और बिक्री पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। एफएसएसएआई के अनुसार, उत्पाद का नाम 'FOLINEURO' और पैकेट पर मस्तिष्क की तस्वीर उपभोक्ताओं को यह गलत संदेश देती है कि यह मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र के स्वास्थ्य के लिए विशेष रूप से लाभकारी है।

जांच में यह भी पाया गया कि उत्पाद को 'Nutritional Food Supplement' श्रेणी में रखा गया है, जबकि फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स (हेल्थ सप्लीमेंट्स एंड न्यूट्रास्यूटिकल्स) रेगुलेशन, 2016 में ऐसी कोई श्रेणी मौजूद नहीं है। एफएसएसएआई ने इसे खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों का प्रथम दृष्टया उल्लंघन माना है।

एक अन्य कार्रवाई में एफएसएसएआई ने Global Healthfit Retail India Private Limited द्वारा बेचे जा रहे 'Neuherbs TRUE VITAMIN' की बिक्री पर भी रोक लगा दी। नियामक के अनुसार, 'TRUE VITAMIN' नाम उपभोक्ताओं को भ्रमित कर सकता है और यह मौजूदा नियमों के अनुरूप नहीं है।

एफएसएसएआई ने कंपनी को उत्पाद के लेबल और विज्ञापनों से सभी भ्रामक दावे तुरंत हटाने तथा 30 दिनों के भीतर कार्रवाई रिपोर्ट (Action Taken Report) प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। आदेश का पालन नहीं करने पर कंपनी के खिलाफ आगे नियामकीय और कानूनी कार्रवाई की जाएगी।–आईएएनएस

रक्षा मंत्री ने विशेष रूप से सैन्य चिकित्सा पर केंद्रित शैक्षणिक और परिचालन विभाग का शुभारंभ किया

नई दिल्ली, 30 जुलाई।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने आज देश के पहले विशेष रूप से सैन्य चिकित्सा पर केंद्रित शैक्षणिक और परिचालन विभाग का शुभारंभ किया। उन्होंने लखनऊ स्थित केंद्रीय कमान अस्पताल में सैन्य चिकित्सा विभाग का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन किया।

इस पहल का उद्देश्य युद्धकालीन चिकित्सा तैयारियों को बढ़ाना, अनुसंधान को बढ़ावा देना, स्वदेशी सिद्धांतों का विकास करना और भविष्य के युद्धक्षेत्रों और मानवीय आपात स्थितियों के लिए विशेष विशेषज्ञता का सृजन करना है। इस अवसर पर अपने संबोधन में रक्षा मंत्री ने नए सैन्य चिकित्सा विभाग को राष्ट्र की सैन्य मानसिकता में क्रांतिकारी बदलाव का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि हमें मिलकर इस विभाग को विश्व का सर्वश्रेष्ठ 'युद्धक्षेत्र चिकित्सा अनुसंधान केंद्र' बनाना होगा।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पारंपरिक हथियारों के साथ–साथ वर्तमान युग में सामूहिक विनाश के हथियारों का खतरा भी बना हुआ है। ऐसी स्थिति में, यह विभाग अनुसंधान और विकास के केंद्र के रूप में कार्य करेगा, जिससे राष्ट्र तेजी से हो रहे तकनीकी विकास से उत्पन्न होने वाले नए खतरों से निपटने में सक्षम होगा।

इस नवस्थापित विभाग की परिकल्पना सैन्य चिकित्सा के उत्कृष्टता केंद्र के रूप में की गई है और यह सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा– एएफएमएस के प्रमुख शैक्षणिक, अनुसंधान और सैद्धांतिक केंद्र के रूप में कार्य करेगा। यह सैन्य और परिचालन चिकित्सा में संरचित शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करेगा, युद्ध चिकित्सा, युद्ध शल्य चिकित्सा और आघात देखभाल जैसे क्षेत्रों में स्नातकोत्तर कार्यक्रमों को सुगम बनाएगा और भारत की परिचालन आवश्यकताओं के अनुरूप स्वदेशी अनुसंधान को बढ़ावा देगा।

कॉमनवेल्थ गेम्सः पैरा एथलेटिक्स 100 मीटर टी–47 स्पर्धा में भारत ने जीता गोल्ड और सिल्वर

नई दिल्ली, 30 जुलाई।

राष्ट्रमंडल खेलों में भारत ने पैरा एथलेटिक्स में इतिहास रच दिया है। पुरुषों की 100 मीटर टी–47 स्पर्धा में भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण और रजत, दोनों पदक अपने नाम कर लिए है। दिलीप महादु गावित ने 10 दशमलव 71 सेकंड के गेम्स रिकॉर्ड और अपने सत्र के सर्वश्रेष्ठ समय के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि मोहम्मद बासिल मोर्सिंगनकाथ ने 10 दशमलव 83 सेकंड के समय के साथ रजत पदक हासिल किया। यह ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत का तीसरा स्वर्ण पदक है। इससे पहले मीराबाई चानू ने महिला 48 किलोग्राम भारोत्तोलन और शर्मिला धनखड़ ने महिला शॉटपुट एफ–57 पैरा एथलेटिक्स स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीते थे।

इससे पहले, भारत के लंबी कूद खिलाड़ी मुरली श्रीशंकर ने 8 दशमलव 09 मीटर की छलांग के साथ रजत पदक जीतकर कॉमनवेल्थ गेम्स में लंबी कूद में दो पदक जीतने

वाले पहले भारतीय बनने का गौरव हासिल किया। वहीं, भारत के लोकेश सत्यनाथन 7 दशमलव 97 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग के साथ पांचवें स्थान पर रहे। इन शानदार प्रदर्शनों के साथ राष्ट्रमंडल खेलों में भारत के कुल पदकों की संख्या अब 15 हो गई है, जिनमें 3 स्वर्ण, 9 रजत और 3 कांस्य पदक शामिल हैं।

देश में फोरेंसिक व्यवस्था मजबूत करने के लिए सरकार उठा रही महत्वपूर्ण कदम

नई दिल्ली, 30 जुलाई।

सरकार ने निर्भया कोष सहित विभिन्न योजनाओं के माध्यम से देश में फोरेंसिक व्यवस्था मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इसके लिए 4 हजार 800 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। राज्यसभा में कल गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने बताया कि चंडीगढ़ की केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला में अत्याधुनिक डीएनए विश्लेषण और अनुसंधान तथा विकास केन्द्र स्थापित की गई है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशालाओं में नई मशीनें और उपकरण लगाए गए हैं।

श्री कुमार ने कहा कि डिजिटल धोखाधड़ी और साइबर फोरेंसिक के महत्वपूर्ण मामलों की जांच के लिए हैदराबाद की केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला में एक राष्ट्रीय साइबर फोरेंसिक प्रयोगशाला स्थापित की गई है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा योजना के अन्तर्गत 6 अतिरिक्त राष्ट्रीय साइबर फोरेंसिक प्रयोगशालाओं की स्थापना को स्वीकृति दी गई है।

गृह राज्य मंत्री ने कहा कि देश में पहले से स्थापित 7 केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशालाओं के अतिरिक्त, जम्मू–कश्मीर, राजस्थान, तमिलनाडु, बिहार, उत्तर प्रदेश, उडीसा, छत्तीसगढ़ और केरल में 8 नई केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशालाओं की स्थापना के लिए मंजूरी दी गई है।

वैश्विक सुधार रैंकिंग में भारत 25 पायदान की छलांग लगाकर 57वें स्थान पर पहुंचा

नई दिल्ली, 30 जुलाई।

भारत संरचनात्मक और प्रतिस्पर्धा–समर्थक सुधारों की वैश्विक रैंकिंग में 25 स्थान ऊपर चढ़कर 82वें से 57वें स्थान पर पहुंच गया है। कॉम्पिटर फाउंडेशन द्वारा जारी इंडियाज नेक्स्ट ग्रोथ फ्रंटियरः रिऊ्यूसिंग एंटी–कॉम्पिटिटिव मार्केट डिस्टॉर्शंस टू बिल्ड ऑन इंडियाज 2010–2023 रिफॉर्म प्रोग्रेस शीर्षक वाली रिपोर्ट में यह बात कही गई है। रिपोर्ट 2010 और 2023 के बीच देश के सुधार पथ की जांच करते हुए, अपने बाजार विकृति प्रदर्शन सूचकांक के तहत भारत के प्रदर्शन का आकलन करती है, और बाजार विकृतियों को कम करने और प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करने में निरंतर प्रयासों में सुधार का श्रेय देती है। रिपोर्ट तीन व्यापक स्तंभों– संपत्ति अधिकारों की सुरक्षा, घरेलू प्रतिस्पर्धा और अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा में बाजार की विकृतियों का मूल्यांकन करती है। इसमें वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी), दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता (आई बी सी), नियामकीय वातावरण में सुधार और व्यापार सुविधा प्रणाली के आधुनिकीकरण जैसे सुधारों पर प्रकाश डाला गया है। यह प्रतिस्पर्धा, निवेश की स्थिति, डिजिटल बाजारों और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता और भागीदारी को प्रभावित करने वाली बाहरी नियामक बाधाओं से संबंधित विकास की भी जांच करता है

इतिहास के पन्नों में 31 जुलाईः जब महात्मा गांधी ने छोड़ा साबरमती आश्रम

नई दिल्ली, 30 जुलाई (हि.स.)।

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में 31 जुलाई का दिन विशेष महत्व रखता है। इसी दिन 1933 में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने गुजरात के अहमदाबाद स्थित साबरमती आश्रम को छोड़ा था । यह वही आश्रम है, जहां से उन्होंने आजादी के आंदोलन को नई दिशा दी और सत्य, अहिंसा तथा स्वावलंबन के अपने विचारों को जन–जन तक पहुंचाया।

दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटने के बाद महात्मा गांधी ने 1917 में साबरमती नदी के किनारे इस आश्रम की स्थापना की। यहां उन्होंने खेती, पशुपालन, चरखा, खादी और सामुदायिक जीवन जैसे अनेक प्रयोग किए। यह आश्रम केवल निवास स्थान नहीं, बल्कि स्वतंत्रता आंदोलन की रणनीति और सामाजिक सुधारों का प्रमुख केंद्र बन गया।

साबरमती आश्रम से ही गांधीजी ने कई ऐतिहासिक आंदोलनों का नेतृत्व किया। 1930 का प्रसिद्ध दांडी मार्च (नमक सत्याग्रह) भी यहीं से शुरू हुआ, जिसने ब्रिटिश शासन के खिलाफ देशव्यापी जनजागरण का स्वरूप ग्रहण किया। सत्याग्रह, स्वदेशी और आत्मनिर्भरता के विचारों को इसी आश्रम से व्यापक पहचान मिली।

31 जुलाई 1933 को गांधीजी ने साबरमती आश्रम छोड़ दिया। उन्होंने संकल्प लिया था कि भारत को पूर्ण स्वतंत्रता मिलने से पहले वह आश्रम में वापस नहीं लौटेंगे। हालांकि वे फिर कभी वहां स्थायी रूप से नहीं रहे, लेकिन यह आश्रम आज भी उनके विचारों, संघर्ष और त्याग की अमूल्य विरासत को संजोए हुए है।

महत्वपूर्ण घटनाचक्र– 1658 – औरंगजेब ने स्वयं को मुगल सम्राट घोषित किया।
1865 – ऑस्ट्रेलिया में दक्षिण पूर्व क्लीव्सलैंड ग्रैडचेस्टर शहर में विश्व की पहली छोटी रेल लाइन शुरू।
1924 – मद्रास प्रेसिडेंसी क्लब ने रेडियो प्रसारण संचालित करने का बीड़ा उठाया।
1948–भारत में कलकत्ता में पहली राज्य परिवहन सेवा की स्थापना।
1982 – सोवियत संघ ने परमाणु परीक्षण किया।
1992 – नेपाल की राजधानी काठमांडू में थाइलैंड का विमान दुर्घटनाग्रस्त, 113 लोगों की मौत।
1993 – भारत के पहले तैरते हुए समुद्री संग्रहालय का कलकत्ता (अब कोलकाता) में उद्घाटन।
1992 – जॉर्जिया राष्ट्र संयुक्त राष्ट्र में शामिल।
1998 – सार्क का दसवां शिखर सम्मेलन श्रीलंका की राजधानी कोलम्बो में सम्पन्न।
2003 – इजराइल और फिलिस्तीन के सुरक्षा मंत्रियों की बैठक येरूशलम में समाप्त।
2004 – आर्थिक सहयोग मंच बिम्सटेक का नाम बदलकर श्बंगतक्षेसश किया गया।
2005 – उजबेकिस्तान ने अमेरिका को अपने सैनिक अड्डे हटा लेने का आदेश दिया।
2006 – श्रीलंका में युद्ध विराम समझौता समाप्त, एलटीटीई के साथ संघर्ष में 50 लोग मारे गये।
2007 – भारतीय मूल के अमेरिकी डॉक्टर सुधीर पारिख को पाल हैरिस अवार्ड प्रदान किया गया।
2008 – थाइलैंड की एक अदालत ने देश के पूर्व प्रधानमंत्री थॉक्सिन शिनावात्रा की पत्नि को कर चोरी के मामले में दोषी पाये जाने पर तीन वर्ष की सजा सुनाई।
2010 – पाकिस्तान में बाढ़ से 900 लोगों की मौत।
2012– प्रो. अशोक सेन को पहले यूरी मिलनर फंडामेंटल फिजिक्स प्राइज (मौलिक भौतिकी पुरस्कार) के नौ विजेताओं में से एक विजेता घोषित किया गया।

नागर विमानन मंत्री ने सतत विमानन ईंधन के उपयोग और सीओआरएसआईए के क्रियान्वयन की तैयारियों की समीक्षा की

नई दिल्ली, 30 जुलाई।

नागर विमानन मंत्री श्री राम मोहन नायडू ने सतत विमानन ईंधन (एसएएफ) का उपयोग करने और अंतर्राष्ट्रीय विमानन के लिए कार्बन ऑफसेटिंग और न्यूनीकरण योजना (सीओआरएसआईए) के कार्यान्वयन के लिए देश की तैयारियों की समीक्षा की।

कल नई दिल्ली में एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए श्री नायडू ने अगले वर्ष पहली जनवरी से सीओआरएसआईए के अनिवार्य चरण से पहले एसएएफ उत्पादन, मिश्रण, कार्बन एकाउंटिंग और आपूर्ति श्रृंखला विकास के लिए देश की कार्य योजना की समीक्षा की।

नागर विमानन मंत्रालय ने कहा कि बैठक में तेल विपणन कंपनियों द्वारा कार्यान्वित किए जा रहे सतत विमानन ईंधन उत्पादन परियोजनाओं की प्रगति, प्रमाणन प्रक्रियाओं और 2027 से अनुमानित मांग को पूरा करने के लिए एसएएफ की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने के उपायों की समीक्षा की गई।

इस अवसर पर श्री नायडू ने कहा कि सरकार वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी सतत विमानन ईंधन पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है जो विमानन क्षेत्र के विकास का समर्थन करते हुए वैश्विक डीकार्बोनाइजेशन प्रयासों में योगदान देता है। उन्होंने कहा कि सतत विमानन ईंधन नीति का मसौदा अपने अंतिम चरण में है और हितधारकों के साथ परामर्श के माध्यम से इसे अंतिम रूप दिया जा रहा है।

चार महासागरों की यात्रा पूरी करके घर लौटीं नौ सैन्य महिला अधिकारी सम्मानित

नई दिल्ली, 30 जुलाई (हि.स.)।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को तीनों सेनाओं की उन नौ महिला अधिकारियों को सम्मानित किया, जिन्होंने भारतीय सेना की सेलिंग वेसल आईएएसवी त्रिवेणी पर सवार होकर पहली बार चार महासागरों की यात्रा पूरी करके घर लौटीं। नई दिल्ली में रक्षा मंत्री ने लगभग 25,500 नॉटिकल मील की दूरी तय करते हुए 314 दिन की यात्रा पूरा करने में टीम की हिम्मत और पक्के इरादे को सराहा। उन्होंने इस समुद्र प्रदक्षिणा को नारी शक्ति का सबूत और तीनों सेनाओं के बीच तालमेल का शानदार उदाहरण बताया, जो हर भारतीय को प्रेरित करेगा।

महिला अधिकारियों ने श्री राजनाथ सिंह के साथ अपने अनुभव साझा किए और बताया कि इस अभियान के दौरान मुश्किल मौसम ने उनके सफर को यादगार और फायदेमंद बना दिया। उन्होंने कहा कि देश को गर्व महसूस कराने के उनके पक्के इरादे ने उन्हें प्रोत्साहित किया, जिससे वे बड़ी शारीरिक और मानसिक चुनौतियों को पार कर पाईं। रक्षा मंत्री ने कहा कि उनकी कामयाबी दिखाती है कि कैसे पक्का यकीन और पक्का इरादा किसी को जिंदगी में कोई भी लक्ष्य हासिल करने में मदद कर सकता है।

महिला अधिकारियों की काबिलियत और आत्मविश्वास को अविश्वसनीय बताते हुए श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि 'समुद्र प्रदक्षिणा' के सफल समापन ने उन पुरानी सोच को तोड़ दिया है, जिनमें कहा जाता था कि महिलाएं मुश्किल मिलिट्री मिशन पूरे नहीं कर सकतीं। उन्होंने ऑफिसर्स से कहा कि आपने साबित कर दिया है कि शारीरिक काबिलियत, मानसिक दृढ़ता और लीडरशिप क्वालिटी जेंडर से बंधी नहीं हैं। भारत की हर बेटी आपको देखकर यकीन कर सकती है कि वह भी समंदर पार करके दुनिया जीत सकती है। यह एक्सपीडिशन इस बात का सबूत है कि अगर हम साथ मिलकर आगे बढ़ें तो कोई भी लक्ष्य हासिल करना मुश्किल नहीं है।

सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह, वायु सेना उप प्रमुख एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित, नौसेना उप प्रमुख वाइस एडमिरल अजय कोचर और तीनों सेनाओं के अन्य वरिष्ठ अधिकारी बातचीत के दौरान मौजूद थे। आईएएसवी त्रिवेणी की टीम को रक्षा मंत्री ने 22 जुलाई 2025 को मुंबई में वर्चुअली हरी झंडी दिखाई थी। उन्होंने 11 सितंबर 2025 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए फ्लैग–ऑफ समारोह में शिरकत की थी। अपनी शानदार समुद्री कामयाबी के अलावा 'समुद्र प्रदक्षिणा' ने सैन्य कूटनीति के ताकतवर जरिए के तौर पर भी काम किया।

केंद्रीय संचार मंत्री ने इंडिया मोबाइल कांग्रेस–2026 के 10वें संस्करण की थीम का शुभारंभ किया

नई दिल्ली, 30 जुलाई।

संचार मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने नई दिल्ली में इंडिया मोबाइल कांग्रेस–आईएमसी 2026 के 10वें संस्करण की थीम का शुभारंभ किया। एशिया के सबसे बड़े डिजिटल प्रौद्योगिकी मंच का 10वां संस्करण 7 से 10 अक्टूबर तक नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। दूरसंचार विभाग और सेलुलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित आईएमसी– 2026 में वैश्विक प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ, दूरसंचार ऑपरेटर, नवाचारों, स्टार्टअप, निवेशक, शोधकर्ता और नीति निर्माता भारत के डिजिटल परिवर्तन के अगले चरण को आकार देने के लिए एक साथ काम करेंगे।

इस अवसर पर श्री सिंधिया ने कहा कि 'सीमाओं के बिना विस्तार' थीम, वैश्विक लाभ के लिए दूरसंचार नवाचारों, प्रौद्योगिकियों और डिजिटल समाधानों को राष्ट्रीय सीमाओं से परे ले जाने की भारत की महत्वाकांक्षा को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि भारत की दूरसंचार यात्रा के अगले चरण में स्वदेशी नवाचारों के निर्यात और वैश्विक प्रौद्योगिकी मानकों को आकार देने पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए।

श्री सिंधिया ने कहा कि लगभग 45 लाख करोड़ रुपये के निवेश और लगभग पांच लाख दूरसंचार टावरों की स्थापना के माध्यम से ढाई वर्षों के भीतर लगभग 5 करोड़ लोग 5जी सेवाओं से जुड़ चुके हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि 6जी तकनीक भौतिक, डिजिटल और खुफिया पारिस्थितिकी तंत्र को एकीकृत करेगी और भारत इस क्षेत्र में वैश्विक अग्रणी बनने का लक्ष्य रख रहा है।

श्री सिंधिया ने भारत 6जी गठबंधन, दूरसंचार विनिर्माण के लिए उत्पादन–लिंक्ड प्रोत्साहन– पीएलआई योजना और संचार साथी पोर्टल जैसी पहलों का भी उल्लेख और कहा कि ये नवाचार, घरेलू विनिर्माण और डिजिटल सुरक्षा को मजबूत कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि आईएमसी 2026 में 5जी, 6जी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, सैटेलाइट कम्युनिकेशन, क्लाउड और एज कंप्यूटिंग, क्वांटम टेक्नोलॉजी और ग्रीन टेक्नोलॉजी सहित उभरती हुई तकनीकों का प्रदर्शन किया जाएगा।

संचार और ग्रामीण विकास राज्य मंत्री डॉ. चंद्र शेखर पेम्मासानी ने कहा कि पिछला दशक भारत के दूरसंचार क्षेत्र के लिए अभूतपूर्व रहा है और इंडिया मोबाइल कांग्रेस को दूरसंचार के क्षेत्र में देश की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के लिए एक वैश्विक मंच उपलब्ध कराता है। उन्होंने कहा कि आईएमसी सरकार और उद्योग के बीच सहयोग के लिए एक मंच के रूप में भी कार्य करती है, जिससे स्टार्टअप्स को अपने नवाचारों को प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है और निवेशकों को भारत के बढ़ते डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र को समर्थन देने के अवसर मिलते हैं।

सरकार ने 10 और 20 रुपये के पॉलिमर नोट जारी करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी

नई दिल्ली, 30 जुलाई।

सरकार ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के 10 और 20 रुपये के पॉलिमर बैंक नोट जारी करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। लोकसभा में एक लिखित उत्तर में वित्त राज्य मंत्री श्री पंकज चौधरी ने बताया कि आरबीआई ने 10 और 20 रुपये के एक–एक अरब पॉलिमर नोट फील्ड ट्रायल के लिए जारी करने का प्रस्ताव भेजा था। उन्होंने कहा कि फील्ड ट्रायल सफल रहने के बाद इन दोनों मूल्यवर्ग के पॉलिमर नोटों का नियमित प्रचलन शुरू किया जाएगा।

श्री चौधरी ने बताया कि आरबीआई के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों से यह स्पष्ट हुआ है कि पॉलिमर बैंक नोटों की आयु कागज के नोटों की तुलना में काफी अधिक होती है। उन्होंने कहा कि पॉलिमर नोटों की शुरुआत फिलहाल प्रारंभिक चरण में है और इनके नियमित प्रचलन के बाद ही डिजिटल भुगतान पर इनके प्रभाव का आकलन किया जा सकेगा।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि आरबीआई के अनुसार पॉलिमर नोट कागज के नोटों के साथ–साथ जारी किए जाएंगे। फिलहाल कागज के नोटों को पूरी तरह हटाकर उनकी जगह केवल पॉलिमर नोट लाने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

नई दिल्ली में 9वें इंडिया मेडिकल डिवाइस 2026 का आयोजन करेगा औषधीय विभाग

नई दिल्ली, 30 जुलाई।

औषधीय विभाग, भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) के सहयोग से, 7 और 8 अगस्त को नई दिल्ली में 9वें इंडिया मेडिकल डिवाइस 2026 का आयोजन करेगा। रसायन और उर्वरक मंत्रालय ने बताया कि इस सम्मेलन का विषय है "विकसित भारत की ओररू गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा उपकरणों के वैश्विक केंद्र के रूप में भारत को आगे बढ़ाना"। रसायन और उर्वरक मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा 8 अगस्त को "आत्मनिर्भर मेडटेकः विकसित भारत की ओर भारत की यात्रा को गति देना" विषय पर सम्मेलन को संबोधित करेंगे। रसायन और उर्वरक राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल भी सम्मेलन को संबोधित करेंगी।

दो दिन के इस कार्यक्रम में नीति निर्माता, नियामक, उद्योगपति, स्वास्थ्य संस्थान, शिक्षाविद, नवप्रवर्तक और वैश्विक हितधारक भारत के तेजी से बढ़ते चिकित्सा उपकरण और मेडटेक क्षेत्र के भविष्य की रूपरेखा पर विचार–विमर्श करने के लिए एक साथ आएंगे। इसका उद्देश्य भारत के चिकित्सा उपकरण पारिस्थितिकी तंत्र के विकास को गति देने वाली उभरती प्रौद्योगिकियों और स्टार्टअप नवाचारों को प्रदर्शित करते हुए निवेश, प्रौद्योगिकी सहयोग, नवाचार और सर्वोत्तम वैश्विक प्रथाओं को अपनाने को बढ़ावा देना भी है। इस कार्यक्रम में क्षेत्र के भविष्य को आकार देने वाले प्रमुख मुद्दों पर उच्च स्तरीय विचार–विमर्श होगा। इसमें प्रमुख घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय हितधारकों की भागीदारी होगी।

मंत्रालय ने बताया कि भारत का चिकित्सा उपकरण उद्योग स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के सबसे तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में से एक के रूप में उभरा है। चिकित्सा उपकरण उद्योग का वर्तमान मूल्य 15 अरब डॉलर से अधिक है। मंत्रालय ने कहा कि उद्योग के विकास को राष्ट्रीय चिकित्सा उपकरण नीति 2023 और प्रोत्साहन आधारित योजना सहित कई परिवर्तनकारी नीतिगत पहलों से समर्थन मिला है।

ई20 पेट्रोल पूरी तरह सुरक्षित, वैज्ञानिक परीक्षणों के बाद ही किया गया लागू : सरकार

नई दिल्ली, 30 जुलाई।

केंद्र सरकार ने गुरुवार को संसद में कहा कि एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ई20) को देशभर में चरणबद्ध तरीके से लागू करने से पहले व्यापक वैज्ञानिक परीक्षण, फील्ड ट्रायल और सभी संबंधित पक्षों से विस्तृत परामर्श किया गया था। सरकार के अनुसार, निर्धारित मानकों के तहत ई20 पेट्रोल पुराने और नए दोनों प्रकार के वाहनों के लिए सुरक्षित है तथा इसके कारण इंजन या वाहन के प्रदर्शन पर कोई बड़ा नकारात्मक प्रभाव सामने नहीं आया है।

लोकसभा में एक लिखित प्रश्न के उत्तर में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री श्री सुरेश गोपी ने बताया कि एथेनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल (ईबीपी) कार्यक्रम को नीति आयोग, ऑटोमोबाइल कंपनियों, ऑयल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसी), ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एआरएआई), सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (एसआईएएम), इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोलियम (आईआईपी) तथा अन्य तकनीकी संस्थानों के साथ वैज्ञानिक और परामर्श आधारित प्रक्रिया के बाद लागू किया गया।

सरकार ने बताया कि ई20 ईंधन लागू करने से पहले एआरएआई, एसआईएएम, इंडियन ऑयल (आईओसीएल), आईआईपी और वाहन निर्माताओं ने व्यापक प्रयोगशाला परीक्षण तथा वास्तविक परिस्थितियों में फील्ड ट्रायल किए। इन परीक्षणों में इंजन की मजबूती, ड्राइविंग प्रदर्शन, स्टार्टिंग क्षमता, जंग–रोधी क्षमता, विभिन्न पुर्जों की अनुकूलता, उत्सर्जन और ईंधन दक्षता जैसे सभी महत्वपूर्ण पहलुओं की जांच की गई। सभी अध्ययनों में यह पुष्टि हुई कि निर्धारित मानकों के तहत ई20 पेट्रोल का उपयोग पूरी तरह सुरक्षित है।

सरकार के अनुसार, परीक्षणों में यह भी पाया गया कि पुराने वाहनों के प्रदर्शन में कोई उल्लेखनीय कमी नहीं आई और न ही इंजन या अन्य पुर्जों में असामान्य घिसावट देखने को मिली। व्यापक लैब परीक्षणों, फील्ड ट्रायल और वास्तविक उपयोग के अनुभवों में भी ई20 ईंधन के कारण वाहन प्रदर्शन पर किसी बड़े नकारात्मक प्रभाव का कोई प्रमाण नहीं मिला।

सरकार ने बताया कि भारत में प्रतिदिन करीब 8 करोड़ वाहन पेट्रोल पंपों पर ईंधन भरवाते हैं, जिनमें लगभग 80% पेट्रोल वाहन हैं। देश में पिछले साढ़े तीन वर्षों से ई15+ मिश्रित पेट्रोल और करीब ढाई वर्षों से ई19–ई20 पेट्रोल का व्यापक उपयोग हो रहा है।

मिशन गगनयानः केंद्रीय मंत्री ने दी जानकारी, क्या है अपडेट

नई दिल्ली, 30 जुलाई।

भारत का पहला मानव मिशन गगनयान के लिए तैयारी और उससे जुड़े तमाम तरह के परीक्षण लोकर केंद्र सरकार ने संसद में विस्तार में जानकारी दी। अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने लोकसभा में जानकारी देते हुए कहा कि

मानव–रेटेड प्रक्षेपण यान (एचएलवीएम3)– सभी संचालक शक्ति चरणों और संरचनाओं का विकास तथा उनके जमीनी परीक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिए गए हैं।

ऑर्बिटल मॉड्यूल– क्रू मॉड्यूल और सर्विस मॉड्यूल के लिए प्रणोदन प्रणालियों का विकास, परीक्षण और प्रमाणीकरण पूरा कर लिया गया है। पर्यावरण नियंत्रण एवं जीवन रक्षक प्रणाली (ईसीएलएसएस) का इंजीनियरिंग मॉडल विकसित कर लिया गया है। इसके अतिरिक्त, डिसीलरेशन प्रणाली, क्रू मॉड्यूल अप–राइटिंग प्रणाली, थर्मल प्रोटेक्शन सिस्टम तथा एंड–टू–एंड एवियोनिक्स का विकास एवं सफल परीक्षण भी पूरा कर लिया गया है।

क्रू एस्केप सिस्टम (सीईएस)– पांच प्रकार की मोटरों का विकास कर उनका स्थिर परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया गया है। क्रू एस्केप सिस्टम की सभी संरचनाओं का निर्माण और प्रमाणीकरण भी पूरा कर लिया गया है।

बुनियादी ढांचे की स्थापना– ऑर्बिटल मॉड्यूल तैयारी सुविधा, गगनयान नियंत्रण केन्द्र, गगनयान नियंत्रण सुविधा, क्रू प्रशिक्षण सुविधा तथा दूसरे प्रक्षेपण परिसर में आवश्यक संशोधनों का कार्य पूरा कर लिया गया है।

परीक्षण मिशन– क्रू एस्केप सिस्टम (सीईएस) के उड़ान के दौरान प्रमाणीकरण के लिए पहला टेस्ट व्हीकल मिशन (टीवी–डी1) सफलतापूर्वक पूरा किया गया है। इसके अतिरिक्त, डेसीलरेशन प्रणाली के प्रमाणीकरण के लिए सिम्युलेटेड क्रू मॉड्यूल के साथ इंटीग्रेटेड एयर ड्रॉप टेस्ट–01 (आईएडीटी–01) और इंटीग्रेटेड एयर ड्रॉप टेस्ट–02 (आईएडीटी–02) भी सफलतापूर्वक संपन्न किए गए हैं। टीवी–डी2 मिशन को पूरा करने की तैयारियां आखिरी चरण में हैं।

उड़ान संचालन एवं संचार नेटवर्क– ग्राउंड नेटवर्क का लेआउट अंतिम रूप से तैयार कर लिया गया है।

आईडीआरएसएस–1 के फीडर स्टेशन और स्थलीय संचार लिंक स्थापित किए जा चुके हैं। पारस्परिक सहयोग के लिए अन्य अंतरिक्ष एजेंसियों के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

क्रू रिकवरी संचालन– रिकवरी के लिए आवश्यक संसाधनों को अंतिम रूप दे दिया गया है तथा क्रू रिकवरी की विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर ली गई है।

इसके साथ ही, गगनयान मिशन के लिए विकसित नई प्रणालियों के प्रदर्शन और प्रमाणीकरण हेतु विभिन्न ग्राउंड क्वालिफिकेशन परीक्षण किए जा रहे हैं। गगनयात्रियों ने रूस के ग्लावकोसमोस में सामान्य प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। वर्तमान में बेंगलुरु स्थित अंतरिक्ष यात्री प्रशिक्षण सुविधा में गगनयान मिशन–विशिष्ट प्रशिक्षण जारी है।

पहले मानव रहित मिशन ळ–1 को पूरा करने की दिशा में विभिन्न गतिविधियां प्रगति पर हैं। एचएलवीएम3 के सभी चरण–एचएस200, एल110 और सी32–तथा क्रू एस्केप सिस्टम की मोटरें उड़ान के लिए तैयार हैं। क्रू मॉड्यूल और सर्विस मॉड्यूल की सभी प्रणालियां विकसित की जा चुकी हैं। इन दोनों मॉड्यूलों का संयोजन, एकीकरण और परीक्षण अंतिम चरण में है तथा समेकित सिमुलेशन भी किए जा रहे हैं।

यह जानकारी प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन, परमाणु ऊर्जा तथा अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने आज लोकसभा में एक लिखित उत्तर में दी।

सिर्फ शराब ही नहीं फैटी लिवर की ये हैं बड़ी वजह, डॉक्टर ने बताया कैसे लिवर में जमता है फैट

नई दिल्ली, 30 जुलाई।

फैटी लिवर खतरनाक हो सकता है अगर समय रहते इस बीमारी पर ध्यान न दिया जाए, फैटी लिवर को साइलेंट किलर भी कहा जाता है क्योंकि इसके लक्षण जल्दी नजर नहीं आते हैं। लिवर में जरूरत से ज्यादा फैट जमा होने पर लिवर सिरोसिस और फिर लिवर फेल तक होने का खतरा बढ़ाता है। लोगों को लगता है कि शराब पीने से फैटी लिवर होता है। जबकि सिर्फ शराब ही फैटी लिवर का सबसे बड़ा कारण नहीं है। आपकी लाइफस्टाइल और खाने की आदतें भी फैटी लिवर के खतरे को कई गुना बढ़ा देती हैं।

डॉक्टर हंसाजी योगेंद्र (फेमस योग गुरु और द योगा इंस्टीट्यूट की डायरेक्टर) के मुताबिक सिर्फ शराब पीना ही फैटी लिवर का मुख्य कारण नहीं है। आजकल के दौर में फैटी लिवर का मुख्य कारण मेटाबॉलिक डिसफंक्शन है, जो अल्ट्रॉ प्रोसेस्ड फूड जैसे चिप्स, पिज्जा, बर्गर, बिस्कुट, केक और अनहेल्दी लाइफस्टाइल से बढ़ता है। इसके शरीर छोटे–छोटे संकेत देता है। आप जरूरत से ज्यादा थकान महसूस करते हैं। खाने के बाद आपको भारीपन और बहुत आलस नींद जैसी आती है। ज्यादातर लोग बिना जाने इन चीजों का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं। जिससे शरीर और लिवर दोनों पर लोड बढ़ रहा है।

रोजाना लिवर हीलिंग आसन करें, आपको समझना जरूरी है कि योग आपको तनाव से दूर रखने, वजन कंट्रोल करने, पाचनतंत्र को मजबूत बनाने का काम करता है जिससे आपकी लिवर हेल्थ में सुधार आता है। इसके लिए मंडूकासन, नौकासन, अर्ध मत्स्येन्द्रासन भुजंगासन,

सेतुबंध आसन, अधोमुख श्वानासन और सूर्य नमस्कार करना, प्राणायाम, सूर्य भेदन जैसे योग करना लिवर के लिए फायदेमंद है। इसे लिवर में ऑक्सीजन का फ्लो अच्छा होता है। लिवर को डिटॉक्स करने के लिए अग्निसार क्रिया और कपालभाति करना अच्छा माना जाता है।

इसके अलावा आप रात में 1 चम्मच सौंफ को पानी में भिगो दें और सुबह इसे हल्का गर्म करके छान लें। इसे ठंडा होने पर पी लें। इससे लिवर का फैट डाइजेशन लोड कम होता है। खाने के बाद दिन में एक बार जीरा पानी या अजवाइन पानी पीना अच्छा होता है। इससे बाइल फ्लो अच्छा होता है और फैट कम जमा होता है। दो खाने के बीच 1 गिलास पानी में थोड़ा नींबू और एक पिंच हल्दी डालकर पीना अच्छा माना जाता है। हल्दी में पाया जाना वाला करक्यूमिन लिवर एंजाइम रिपेयर में मदद करता है। सुबह खाली पेट पपीता खाना, रोजाना कुछ चुकंदर के टुकड़े, भीगे बादाम सुबह नाश्ते में खाने से लिपिड मेटाबॉलिज्म रेगुलेट होता है।